भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 3656**
उत्तर देने की तारीख 11 अगस्त, 2025
20 श्रावण, 1947 (शक)

# भारतीय फुटबॉल का गिरता स्तर

**3656. एडवोकेट अदूर प्रकाश:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय फुटबॉल के गिरते स्तर पर ध्यान दिया है क्योंकि देश पिछले नौ वर्षों में फीफा रैंकिंग में सबसे निचले स्थान पर आ गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने प्रशासनिक विफलता सहित संकट की स्थिति पैदा करने वाले कारणों की कोई समीक्षा और आकलन किया है;
(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उठाए गए या प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार भारतीय फुटबॉल के सुधार को और अधिक महत्व देने का विचार रखती है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री**
**(डॉ. मनसुख मांडविया)**

(क) से (ग): विशिष्ट खेल विधाओं का संवर्धन संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) का उत्तरदायित्व है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने देश में फुटबॉल के संवर्धन और विकास के लिए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) को राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता दी है।

फुटबॉल टीमों की रैंकिंग परिवर्तनशील होती है और मैच के परिणाम, प्रतिद्वंद्वी टीम की ताकत और मैचों की आवृत्ति से प्रभावित होती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में स्वायत्त निकाय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), खेल के प्रदर्शन और समग्र विकास की समीक्षा करने के लिए नियमित रूप से एआईएफएफ के साथ कार्य करता है और तदनुसार अपनी सलाह प्रदान करता है।

(घ) और (ङ): एनएसएफ को सहायता स्कीम के तहत, एआईएफएफ को एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है जिनमें पौष्टिक आहार, खाद्य पूरक, उपकरण सहायता, अत्याधुनिकखेल अवसंरचना, आवास, यात्रा सुविधाएं, प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी कोच/सहायक कर्मचारियों की सेवाएं, वैज्ञानिक और चिकित्सा सहायता, खेल किट आदि सहित उनकी तैयारी के लिए

आवश्यक सभी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, विदेशों में उनके प्रशिक्षण, सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर श्रेणियों में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन, भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन और भारत और विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस उद्देश्य के लिए एआईएफएफ सहित प्रत्येक एनएसएफ के लिए हर साल एक एसीटीसी (प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए वार्षिक कैलेंडर) बजट स्वीकृत किया जाता है।

एनएसएफ को सहायता स्कीम के मानदंडों को दिनांक 22.05.2025 को संशोधित किया गया है। इस स्कीम में एथलीटों को जमीनी स्तर पर मज़बूत विकास, पेशेवर कोचिंग, वैज्ञानिक सहायता प्रदान करके और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं की मेजबानी और भागीदारी के लिए एनएसएफ को सहायता प्रदान करके बेहतर एक्सपोजर सुनिश्चित किया जाता है। यह कोचों और तकनीकी कर्मचारियों के जमीनी स्तर के विकास और क्षमता निर्माण को भी प्राथमिकता देती है।

उपरोक्त के अलावा, निम्नलिखित उपाय किए गए हैं::

i. खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल करके और खेलो इंडिया अकादमियों तथा राज्य उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करके फुटबॉल को सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, फुटबॉल को 196 खेलो इंडिया केंद्रों और 19 खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों में शामिल किया गया है, जहाँ 113 खेलो इंडिया एथलीटों को फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
ii. राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में अवसंरचनाओं और खेल विज्ञान सहायता को सुविधाजनक बनाना।

इसके अलावा, साई अपनी विभिन्न खेल प्रोत्साहन स्कीमों के माध्यम से देश भर में फुटबॉल के खेल को प्रोत्साहन देता है ताकि विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सके और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार किया जा सके। वर्तमान में, कुल 500 एथलीटों को फुटबॉल विधा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

*****